एक नजर में

मगराना में विधायक प्रतिनिधि ने अंत्येष्टि की राशि सौंपी

सारंगपुर 06 जून, सं. शासन की योजना अनुसार घर के मुख्य की मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता के रूप में अंत्येष्टिय की राशि परिजनों को दी जाती हैं . इसी कड़ी में गत दिवस ग्राम पंचायत मगराना निवासी स्व . श्री भागीरथ पिता सिद्धू लाल वर्मा की आकस्मिक मौत हो गई थी शनिवार को उनके निवास पर विधायक प्रतिनिधि धर्मेंद्र गुर्जर और रोजगार सहायक विराज पाटीदार ने पोहच कर मृतक के पुत्र दीपक वर्मा को शासन की योजना अनुसार अंत्येष्टिय की ?5000 राशि सोपी प्रदान की गई इस दौरान ग्रामीण जन उपस्थित थे विधायक प्रतिनिधि श्री गुर्जर बताया गरीब परिवार की हर संभव मदद की जाएगी

अपहृत नाबालिग बालिका को सकुशल परिजनों को सौंपा

बोडा 06 जून, सं. थाना प्रभारी उपनिरीक्षक देवेंद्र राजपूत के नेतृत्व में टीम ने अपहृत नाबालिग बालिका को 16 घंटे के अंदर सकुशल दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की . गुरूवार 04 जून को फरियादी द्वारा थाना बोडा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी . कि उसकी नाबालिग लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर भगा ले गया है . प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्काल सक्रियता दिखाते हुए संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी गई, तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया तथा सतत प्रयास किए गए . परिणामस्वरूप पुलिस टीम द्वारा नाबालिग बालिका को 16 घंटे के अंदर सुरक्षित दस्तयाब कर आरोपी गोविंद पिता मोहनलाल बाल्मिकी उम्र 20 साल निवासी भेरावल थाना कालापीपल जिला शाजापुर को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है .

फिजा में जहर घोल रहा बायो मेडिकल वेस्ट

नदी-नालों में फेंकी जा रही इस्तेमाल की गई सिरिंज, इंजेक्शन और ड्रिप बोतलें, जिम्मेदार बेखबर

जिला अस्पताल, क्लीनिकों से निकलने वाले बायो वेस्ट को लेकर प्रबंधन नहीं दे रहा ध्यान

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 06 जून, का. जिले अंतर्गत बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है. मरीजों के उपचार के बाद उपयोग में ली गई सिरिंज, इंजेक्शन, ड्रिप की बोतलें और अन्य संक्रमित चिकित्सा सामग्री खुले में तथा नदी-नालों के किनारे फेंकी जा रही है, जिससे पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है.

जिलेभर में बड़ी संख्या में झोलाछाप चिकित्सकों, अवैध क्लीनिकों और कुछ निजी स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से स्थिति चिंताजनक बनी हुई है.

जानकारी के अनुसार जिले में संचालित कई निजी क्लीनिक, नर्सिंग होम और चिकित्सा संस्थान बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन व्यवस्था से विधिवत नहीं जुड़े हैं. इसके चलते संक्रमित चिकित्सा कचरा निर्धारित प्रक्रिया के बजाय इधर-उधर फेंका जा रहा है. हाल ही में नेवज नदी की छोटी पुलिया के समीप बने बैराज के दूसरी ओर बड़ी मात्रा में उपयोग की गई ड्रिप बोतलें, इंजेक्शन और अन्य चिकित्सा अपशिष्ट बिखरे मिले, जिसने पूरे तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

कल ही तो हमने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया था..!

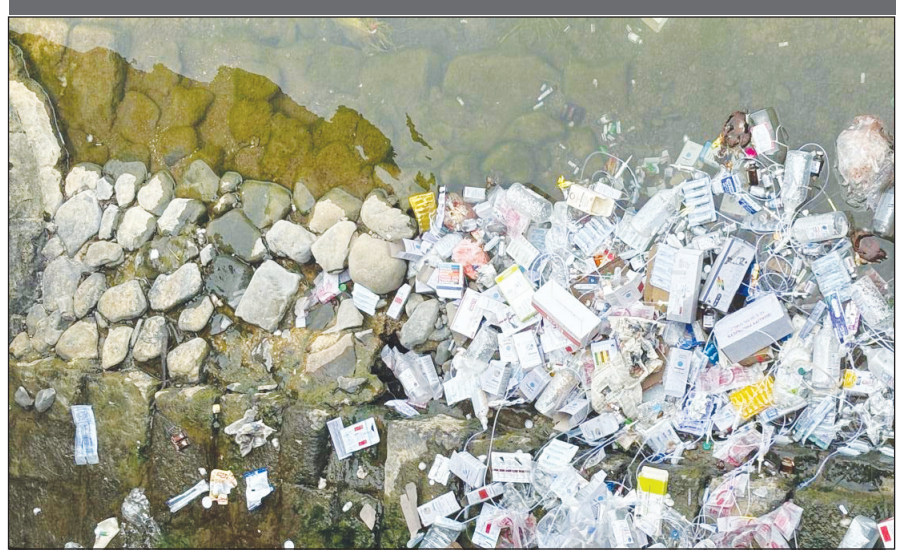

नियमों के अनुसार किसी भी क्लीनिक, अस्पताल या नर्सिंग होम के संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग में पंजीयन कराना अनिवार्य है. साथ ही बायो मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित संग्रहण और निस्तारण के लिए अधिकृत एजेंसी से अनुबंध करना भी जरूरी है. संबंधित एजेंसी प्रतिदिन संस्थानों से चिकित्सा कचरा एकत्रित कर उसका वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करती है. जिले में बायो मेडिकल वेस्ट संग्रहण के लिए शासन द्वारा जेके मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट को अधिकृत किया गया है. हालांकि धरातल पर कंपनी की कार्यप्रणाली और सभी स्वास्थ्य संस्थानों से नियमित कचरा संग्रहण की स्थिति भी जांच का विषय बनी हुई है.

खुले में फेंका जा रहा संक्रमित कचरा

बायो मेडिकल वेस्ट में उपयोग की गई सिरिंज, इंजेक्शन, कैथेटर, कॉटन, टांकों की सुई-धागे, रक्त एवं मवाद से संक्रमित सामग्री सहित अन्य चिकित्सा अपशिष्ट शामिल होते हैं. विशेषज्ञों के अनुसार इस प्रकार का कचरा खुले में फेंकना संक्रमण फैलने, जल स्रोतों के प्रदूषण और गंभीर बीमारियों के प्रसार का कारण बन सकता है.

बायो मेडिकल वेस्ट का संग्रहण एवं प्रबंधन निर्धारित नियमों के अनुसार होना आवश्यक है. सभी अस्पतालों, क्लीनिकों एवं संबंधित संस्थाओं का इसके लिए पंजीकृत होना अनिवार्य है. मामले की जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) से प्राप्त कर आवश्यक जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

श्रीमती निधि भारद्वाज, एसडीएम राजगढ़

गंभीर संक्रमण का खतरा

नदी-नालों और सार्वजनिक स्थानों पर मिल रहे बायो मेडिकल वेस्ट को लेकर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से जांच कराने, अवैध क्लीनिकों की पहचान कर कार्रवाई करने तथा बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने की जरूरत है. इस दिशा में समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो यह लापरवाही जिले के लिए बड़े स्वास्थ्य संकट का कारण बन सकती है. क्योंकि इस से एचआईवी, एचबीएसीजी, वी डी आर एल जैसे गंभीर जानलेवा संक्रमण फैलने की सम्भवना रहती है. इस प्रकार जलाशयों और आम स्थानों पर लापरवाही से ये खतरनाक बायो वेस्ट डाला जाना बहुत हानिकारक है. वह भी नदियों में उस स्थान पर जहां से पानी आम जीवों द्वारा भी उपभोग किया जाता है.

अमानपुरा में जल जीवन मिशन को मिली गति, 40 घरों तक पहुंचा नल से शुद्ध पेयजल

राजगढ़ 06 जून, का. जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमानपुरा के ग्राम अमानपुरा में जल प्रदाय योजना के कमीशनिंग कार्य को गति मिल रही है. योजना के तहत ग्रामवासियों को नियमित एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं. ग्राम अमानपुरा को बावड़ीखेड़ा स्थित उच्च स्तरीय जलाशय (ओएचटी) से पेयजल आपूर्ति किए जाने का प्रावधान है. योजना के अंतर्गत ग्राम में कुल 172 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं. इनमें से प्रथम चरण में 40 घरों में सफलतापूर्वक नल के माध्यम से जल प्रदाय प्रारंभ कर दिया गया है. जल आपूर्ति शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है. इससे महिलाओं एवं बच्चों को पेयजल के लिए दूरस्थ स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा तथा समय और श्रम की बचत होगी। शेष कनेक्शनों पर भी चरणबद्ध तरीके से जल प्रदाय प्रारंभ करने की कार्रवाई जारी है. जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को उनके घर तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है. अमानपुरा में योजना की प्रगति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है. अधिकारियों ने बताया कि कार्य पूर्ण होने के बाद ग्राम के सभी 172 परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया जाएगा.

काजू, बादाम को मात दे रही लहसुन की कली

पिछले तीन दिनों में 13 हजार से 18 हजार रुपए प्रति क्विंटल पहुंचा लहसुन

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 06 जून, का. पिछले एक महीने से किसान अपने खेतों से लहसुन की फसल को निकालने और संवारने, सहेजने में लगा है. वहीं किसानों की भीषण गर्मी में होने वाली मेहनत को मानों सोने का दाम मिल गया है. लहसुन की आवक के बाद मण्डियों में भाव मानों आसमान पर पहुंच गए है. लहसुन के भाव काजू और बादाम को भी मीलों पीछे छोड़ रहे है. बीते 3 दिनों में जिले की मण्डियों में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से लहसुन के भाव हजार रूप प्रति क्विंटल प्रतिदिन के हिसाब से बढ़ रहे है.

उल्लेखनीय है कि लहसुन के भाव बीते गुरूवार को अप्रत्याशित तरीके से 13 हजार पहुंच गए थे. ब्यावरा मण्डी में लहुसन की आवक और भाव दोनों में तेजी देखी गई. वहीं तीन दिन बाद यानी शनिवार को नरसिंहगढ़ मण्डी में लहसुन की बिकवाली 18 हजार रूपए प्रति क्विंटल पहुंच गई. किसान इस प्रकार बढ़ते भावों को लेकर खुशी और हैरत दोनों में है. हालांकि जानकारों के अनुसार अच्छी किस्म और उपज के अनुसार भाव तय होते है. ये भाव यदि कम क्वालिटी की उपज आती है तो कम भी हो सकते है.

नरसिंहगढ़ मण्डी में 18 हजार रुपए बिका

शनिवार को नरसिंहगढ़ मण्डी में भाव 18 हजार रूपए प्रति क्विंटल पहुंच गया. शनिवार को उच्चतम बिकवाली 18 हजार 400 रूपए पहुंच गई. एक किसान को उसकी उपज का मोल मिला. उसने तुलसी किस्म का लहसुन उगाया जिसकी काफी ऊंची बोली लगाई गई.

कोतवाली पुलिस ने अपहृत नाबालिग को बरामद किया

राजगढ़ 06 जून, का. थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्रीमती मंजू मखेनिया के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत नाबालिग बालक को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा गया. बीते 30 मई को फरियादी द्वारा कोतवाली राजगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उसका नाबालिग पुत्र ग्राम गोरखपुरा स्थित घर से ग्राम करेड़ी के बाजार में जाना बोलकर गया था. कई जगह तलाश करने पर भी नहीं मिला. मुखबिर की सूचना पर नाबालिग बालक को पचोर क्षेत्र से सकुशल दस्तयाब किया गया. बालक के मिलने पर परिजनों ने पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया.

वॉटर पार्क हादसे में घायल युवक की मौत, शोक छाया

नवभारत न्यूज

सारंगपुर 06 जून, सं. दोस्तों के साथ बुधवार को वाटर पार्क में मस्ती करने निकला ग्राम भैंसवा माता गांव का युवक सुनील भिलाला अब कभी घर नहीं लौटेगा. ड्रीम फन वैली वाटर पार्क में हुए हादसे के बाद कई दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने वाले सुनील ने शुक्रवार को इंदौर के अस्पताल में अंतिम सांस ली. उसके निधन की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई.

मौत के बाद परिजन सुनील का शव लेकर सबसे पहले वाटर पार्क पहुंचे. यहां उन्होंने हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग करते हुए अपना आक्रोश जताया. इसके बाद शव को गांव लाया गया, जहां अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. ग्राम पनवाडी के वाटर पार्क में हुवे हादसे पर परिजनों ने वाटर पार्क संचालक पर भी आरोप लगाए कि वाटर पार्क में पर्याप्त इंतजाम नहीं थे. गोता लगाने के दौरान उसके सिर में गंभीर चोट आई और वह बेहोश हो गया. पहले उसे शाजापुर और फिर इंदौर ले जाया गया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर उसकी जान नहीं बचा सके.

चार भाइयों में सबसे छोटा सुनील परिवार का लाडला था. उसकी मां-बाप और भाइयों का रो-रोकर बुरा हाल है. परिजनों का कहना है कि यदि वाटर पार्क में सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता तो आज सुनील उनके बीच होता. उन्होंने प्रशासन से वाटर पार्क को बंद करने और संचालकों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज करने की मांग की है.

गांव की गलियों में पसरा सन्नाटा

शनिवार को भैंसवा माता गांव में सुनील का अंतिम संस्कार किया गया. अंतिम यात्रा में सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए. गांव की गलियों में पसरा सन्नाटा और परिजनों की चीखें हर किसी को भावुक कर रही थीं. एक पल की खुशी के लिए गया युवक अब सिर्फ यादों में रह गया ह. जबकि परिवार न्याय की उम्मीद लगाए बैठा है.

पांच गांवों में 138 लोगों को नहीं दिया एक महीने का राशन

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 06 जून, का. समीपस्थ ग्राम कांसी के ग्रामीणों ने एसडीएम राजगढ़ को राशन वितरण संबंधी शिकायत सौंपी है. ग्रामीणों के अनुसार मई के महीने में 138 पर्चीधारी ग्रामीणों को राशन वितरण नहीं किया गया है. गंभीर आरोप लगाते हुए लिखित आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम कांसी में आने वाले पांच ग्राम में कुल 138 राशन पर्चियों पर राशन नहीं दिया गया है. सैल्समैन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि माह में केवल तीन दिन दुकान खुली रही है. दिनांक 1 मई से 30 मई तक सम्पूर्ण पर्ची धारियों को राशन वितरण किया जाना था लेकिन नहीं किया गया. राशन नहीं मिलने से ग्रामीणों से उनका हक छीना जा रहा है. इनमें बाल्दिया, जूनापानीखेड़ा, जूनापानी, रावतपुरा और कांसी शामिल है. वहीं इन गांवों के स्कूलों का राशन वितरण भी नहीं किया गया है. शिकायत करने वालों में प्रेम सिंह, मदनलाल, कन्हैयालाल, कैलाश, रामप्रसाद, राहुल, फूलसिंह, कृष्णपाल, सरपंच कांसी राजूबाई, लाखन आदि शामिल रहे.

व्यवस्था के विरुद्ध मुखरता के लिए जाने जाते हैं अमर सिंह

जिद और जुनून के साथ काम करने वाला नेता

नवभारत न्यूज

ब्यावरा/राजगढ़ 06 जून,का. राजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सबसे युवा जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले भाजपा नेता अमरसिंह यादव अपनी विशिष्ट कार्यशैली के लिये जाने जाते है . 21 वर्ष की आयु में अपनी पत्नि को नगर पंचायत अध्यक्ष बनाने के बाद 26 वर्ष की उम्र में खुद खुजनेर नपं अध्यक्ष बनने से लेकर आज तक श्री यादव लगातार चुनाव लड़ते-लड़ाते आए है . 2013 में पहली बार विधायक बने और 2024 में दूसरी बार विधायक का चुनाव जीते है . वर्तमान में भी वे जिले के सबसे युवा विधायक के रूप में पहचाने जाते है .

राजनीतिक क्षेत्र में अपनी कई विशेषताओं के लिये पार्टी और कार्यकर्ता तथा जनता में अपनी पहचान बनाने वाले श्री यादव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अपने जिद्दीपन और जुनून के लिये जाने जाते है . उनका यह जिद्दीपन और जुनून विकास कार्य के लिये हो, पार्टी के कार्यकर्ता के लिये हो अथवा उनसे जुड़े किसी भी नेता, कार्यकर्ता के लिये हो, हमेशा उनके कार्य व्यवहार में नजर आता है . जिद्दीपन और जुनून का ही परिणाम है कि कई कार्यो को लेकर वे सिस्टम के हर अंग से टकराव करने में कोई संकोच नहीं करते है . उन्हें अगर मुख्यमंत्री से भी लड़ना पड़े तो वे लड़ जाते है . सार्वजनिक रूप से भी उनकी मुखरता किसी से छुपी नहीं है .

सभी को अपना बनाने की उनकी कला के लोग कायल है . जिनसे उनके दिली रिश्ते नहीं है उनका विरोध करने में भी वे पीछे नहीं रहते है . फिर चाहे कोई भी बड़े से बड़ा कोई नेता हो, अधिकारी अथवा सिस्टम का कोई भी अंग हो . वे उसके विरूद्ध हमलावर होने में पीछे नहीं रहते है . उनकी इस शैली के सैकड़ों लोग कायल है . उनकी यह शैली सत्ता में रहते हुए ही नहीं विपक्ष में रहते हुए भी लोगो ने देखी है . कांग्रेस सरकार में तत्कालीन कलेक्टर के विरूद्ध उनका आंदोलन आज भी चर्चा में रहता है .

7 जून 1973 में जन्में श्री यादव आज अपनी आयु के 53 वर्ष पूरे कर रहे है . उनको जन्म दिन की अनंत शुभकामनाएं .